RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 14 SEPTEMBER TO 21 SEPTEMBER 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 01 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण से एक लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा बचेगी Page 2

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 1 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा Page 3

किसान रेल सेवा पर खर्च 71.86 करोड़ रुपये रेलवे ने बट्टे खाते में डाले Page 5

editoria!

सुरक्षा परिषद में दावा

भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता देने की मांग करता रहा है. इस मांग को कई देशों का समर्थन भी प्राप्त है. भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सऊदी अरब की यात्रा के दौरान फिर इस दावे को दोहराया है. जब सुरक्षा परिषद की संरचना तैयार हुई थी तथा पांच स्थायी सदस्यों का निर्धारण हुआ था, तब वैश्विक स्थितियां कुछ और थीं. सात दशकों से अधिक के अंतराल में दुनिया बहुत बदल चुकी है और उसके सामने प्रस्तुत चुनौतियों एवं भू-राजनीति में जटिलता सघन हुई है. जयशंकर ने उचित ही रेखांकित किया है कि सुरक्षा परिषद की संरचना में सुधार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तो आवश्यक है ही, ऐसा इसलिए भी किया जाना चाहिए ताकि इस संस्था की प्रासंगिकता भी बनी रहे. भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उसकी जनसंख्या 1.40 अरब के आसपास है. हमारी आर्थिक वृद्धि की गति विश्व में सर्वाधिक है. विश्व समुदाय में भारत की छवि सकारात्मक और सम्माजनक है. विश्व के विभिन्न हिस्सों में तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में भारत का विशिष्ट योगदान रहा है. सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में और संयुक्त राष्ट्र के अन्य घटकों की गतिविधियों में भारत की उल्लेखनीय भूमिका रही है. हम परमाणु शक्तिसंपन्न राष्ट्र हैं. तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने में हम अग्रणी देशों में हैं. दशकों से भारत इस विश्व संस्था में और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अविकसित और विकासशील देशों का नेतृत्व करता रहा है. कोरोना महामारी के दौर में टीके उपलब्ध कराने के साथ-साथ पिछड़े देशों को सस्ती दवाएं मुहैया कराने का सिलसिला कई वर्षों से जारी है. सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों में अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों का प्रतिनिधित्व भी नहीं है. अगर भारत स्थायी सदस्य बनता है, तो वह इन महादेशों के लिए भी हितकारी होगा. आज स्थिति यह है कि सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य इस मंच को अपने-अपने हितों के साधने का माध्यम बना चुके हैं. ये देश अन्य देशों के विरुद्ध मनमाने ढंग से युद्ध की घोषणा कर देते हैं या आर्थिक प्रतिबंध लगा देते हैं. आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अपराधों की रोकथाम में भी सुरक्षा परिषद प्रभावी सिद्ध नहीं हो सका है. भारत हमेशा समावेशी और पारदर्शी प्रक्रिया का समर्थक रहा है. ऐसा नहीं हो पाने का परिणाम यह है कि आज विश्व में युद्ध व गृहयुद्ध से संबंधित लगभग 40 हिंसक संघर्ष चल रहे हैं. खाद्य व ऊर्जा का संकट सामने है.

अब ईरान भी भारत को कच्चा तेल देने की फिराक में, मिलेगी भारी छूट, अमेरिका को झटका

नई दिल्ली । एजेंसी

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के हालात देखते हुए को अमेरिका रूस से तेल आयात पर पाबंदी लगाने की फिराक में है। इसे लेकर उसने जी7 देशों से संपर्क किया है। यूएस ने भारत से भी इस प्रयास में साथ आने की अपील की है। वहीं, रूस ऐसे किसी भी प्रतिबंध से बचने के प्रयास में लगा हुआ है। इस कड़ी में मॉस्को ने भारत को तेल आयात पर भारी छूट की घोषणा की है। ईरान भी भारत को रियायती दर पर तेज निर्यात करने की फिराक में है। दरअसल, ईरान फिर से भारत को तेल निर्यात शुरू करना चाहता है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बैठक के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।

दरअसल, अमेरिका का कहना है कि रूसी तेल के दाम की सीमा तय होने से यूक्रेन में रूस के गैरकानूनी युद्ध के लिए धन जुटाने के स्रोत पर चोट लगेगी। इसके अलावा इस कदम से अमेरिका को तेजी से बढ़ती वैश्विक मुद्रास्फीति से लड़ने में मदद मिलने की भी उम्मीद है। जी7 समूह के सदस्य देशों ने रूस के तेल आयात पर मूल्य सीमा लागू करने के लिए कदम उठाने का संकल्प जताया है। रूस अपने कच्चे तेल की बिक्री से मिलने वाले धन का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई में कर रहा है। अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देश यूक्रेन पर रूस के हमले के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए हुए हैं। उन्होंने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध भी लगाए हैं। लेकिन इन पाबंदियों से बेअसर रूस यूक्रेन के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है। भारत ने रूस से मार्केट रेट से कम में तेल खरीदा है। रूस से मिलने वाली यह छूट लगातार घटती रही है। मई में रूसी क्रूड ऑयल 16 डॉलर में एक बैरल था। यह जून में 14 डॉलर प्रति बैरल, जुलाई में 12 डॉलर प्रति बैरल और अगस्त में घटकर 6 डॉलर प्रति बैरल हो गया। दूसरी तरफ, इराक ने भी अपने क्रूड ऑयल की कीमतें काफी कम कर दी हैं। जुलाई में इराकी तेल के एक बैरल की कीमत 20 डॉलर थी। बताया जा रहा है कि इराक भी भारतीय मार्केट में दोबारा लौटना चाहता है। यही वजह रही कि रूस जून में भारत के तेल के दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता से सऊदी अरब और इराक के बाद अगस्त में तीसरे नंबर पर आ गया। हालांकि, भारत अभी भी रियायती रूसी तेल के प्रस्ताव में रुचि दिखा सकता है।

सब्जी, मसाले महंगे होने से खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर सात प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। एजेंसी

सब्जी, मसाले जैसे खाने के सामान के दाम बढ़ने से खुदरा महंगाई दर अगस्त महीने में बढ़कर सात प्रतिशत पर पहुंच गयी। इसके साथ पिछले तीन महीने से खुदरा मुद्रास्फीति में कमी का रुख थम गया है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक महीने पहले जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति 6.71 प्रतिशत थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति लगातार आठवें महीने रिजर्व के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है।

सरकार ने केंद्रीय बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत से छह प्रतिशत के बीच रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। आरबीआई मौद्रिक नीति पर निर्णय करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर अगस्त में 7.62 प्रतिशत रही जो जुलाई में 6.69 प्रतिशत थी। वहीं पिछले साल अगस्त में यह 3.11 प्रतिशत थी। सब्जी, मसालों, फुटवियर (जूता-चप्पल) और ईंधन तथा प्रकाश श्रेणी में कीमतों में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। हालांकि, अंडे के मामले में मुद्रास्फीति में गिरावट आई जबकि मांस और मछली जैसे प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों की कीमतें स्थिर रहीं। मुद्रास्फीति इस साल अप्रैल में 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गयी थी। हालांकि, बाद में इसमें कमी आई और जुलाई में यह 6.71 प्रतिशत पर आ गयी।

अगस्त में निर्यात में 1.62 प्रतिशत बढ़ा, व्यापार घाटा दोगुना से अधिक होकर 27.98 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत का निर्यात अगस्त में मामूली रूप से 1.62 प्रतिशत बढ़कर 33.92 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान व्यापार घाटा दोगुने से अधिक होकर 27.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। अगस्त, 2021 में व्यापार घाटा 11.71 अरब डॉलर था। इस साल अगस्त में आयात 37.28 प्रतिशत बढ़कर 61.9 अरब डॉलर रहा।

अप्रैल-अगस्त 2022-23 के दौरान निर्यात में 17.68 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 193.51 अरब डॉलर रहा. चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में आयात 45.74 प्रतिशत बढ़कर 318 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान व्यापार घाटा बढ़कर 124.52 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 53.78 अरब डॉलर था।

News यू केन USE

2022 की पहली छमाही में रूस-भारत व्यापार में 'अभूतपूर्व वृद्धि' हुई: रूसी राजदूत

मॉस्को/नयी दिल्ली। एजेंसी

वर्ष 2022 की पहली छमाही में रूस और भारत के बीच व्यापार में 'अभूतपूर्व वृद्धि' हुई और इस दौरान यह आंकड़ा 11 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। भारत में रूस के शीर्ष राजनयिक ने बुधवार को यह बात कही।उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार 2025 तक बढ़कर 30 अरब डॉलर के स्तर को पार कर सकता है। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलिपोव ने इस सप्ताह उज्बेकिस्तान में एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बैठक से पहले यह टिप्पणी की। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच रणनीतिक स्थिरता के मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है। अलिपोव ने समाचार एजेंसी तास को बताया, ''हम कह सकते हैं कि हमारा व्यापार और आर्थिक सहयोग बदल रहा है। वर्ष 2022 की पहली छमाही में हमने व्यापार में अभूतपूर्व वृद्धि देखी। यह जुलाई तक 11 अरब डॉलर से अधिक था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 13.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। इस आधार पर हम 2025 तक आपसी व्यापार के 30 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद कर सकते हैं।''

सरकार की हर जिले में तीन वाहन कबाड़ केंद्र खोलने की योजना

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार ने देश के हर जिले में कम से कम तीन पंजीकृत वाहन कबाड़ केंद्र खोलने की योजना बनाई है। गडकरी ने वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के संगठन एसीएमए के सालाना कार्यक्रम में कहा कि सड़क मंत्रालय को रोपवे, केबल कार और फनिक्युलर रेलवे (केबल रेलवे) के लिए 206 प्रस्ताव मिले हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'सरकार हर जिले में तीन पंजीकृत वाहन कबाड़ सुविधाएं या केंद्र खोल सकती हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल अगस्त में राष्ट्रीय वाहन कबाड़ नीति शुरू की थी और कहा था कि यह अनुपयुक्त और प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने में मदद करेगा तथा संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा।

क्वांटास ने बेंगलुरु से सिडनी की उड़ान शुरू की

बेंगलुरु। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की विमानन कंपनी क्वांटास ने बेंगलुरु और सिडनी के बीच नयी उड़ानें शुरू की। कंपनी ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह किसी भी एयरलाइन द्वारा दक्षिणी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहली सीधी उड़ान है। क्वांटास ने कहा कि नयी उड़ान क्यूएफ68 दोनों शहरों के बीच यात्रा के समय में लगभग तीन घंटे की कटौती करेगर। इस उड़ान से भारत और न्यू साउथ वेल्स के बीच संपर्क मजबूत होगा। एयरलाइन ने बयान में कहा कि इस साल की शुरुआत में नई सेवा की घोषणा के बाद से ही इस मार्ग पर मजबूत मांग देखी गई है। क्वांटास के (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय) मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एंड्रयू डेविड ने कहा कि यह उड़ान पर्यटन, आर्थिक संबंधों और ऑस्ट्रेलिया एवं भारत के बीच अवसरों को बढ़ावा देगी।

केयर्न ऑयल एण्ड गैस ने 8 डीएसएफ ऑयल फील्ड्स के लिये सरकार के साथ कॉन्ट्रैक्ट्स साइन किये

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वेदांता ग्रुप की इकाई और भारत में तेल और गैस की खोज और उत्पादन करने वाली सबसे बड़ी निजी कंपनी केयर्न ऑयल एण्ड गैस ने डिस्कवर्ड स्मॉल फील्ड (डीएसएफ) बिड राउंड-3 के तहत 8 ऑयल/गैस फील्ड्स के लिये भारत सरकार के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। इन ब्लॉक्स की पुष्टि करने वाला अनुबंध उत्पादन गतिविधियों को और भी सक्षम बनाएगा। केयर्न ऑयल एण्ड गैस को मिले 8 ब्लॉक्स में से 5 ऑफशोर (कैम्बे ऑफ, कच्छ ऑफ, मुंबई ऑफ और केजी ऑफ) और 3 ऑनशोर (असम में 2 और मध्यप्रदेश में 1) हैं। इन फील्ड्स से अगले 10 से 20 सालों में 84 एमएमबीओई क्रूड ऑयल के उत्पादन की अपेक्षा की जा रही है। कंपनी ने एक कोल बेड मीथेन (सीबीएम) ब्लॉक से पारंपरिक और अपारंपरिक, दोनों हाइड्रोकार्बन रिर्सोर्सेस की खोज, विकास और मुद्रीकरण के लिये एक अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किये हैं।

इस मौके पर केयर्न ऑयल एण्ड गैस के डेप्यूटी सीईओ प्रचुर साह ने कहा, 'हम भारत सरकार के साथ 8 ऑयल/गैस फील्ड्स के लिये अनुबंध पर हस्ताक्षर करके प्रसन्न हैं। इससे हमें उत्पादन क्षमताओं को दोगुना करने और भारत के घरेलू क्रूड उत्पादन में 50% योगदान देने के लक्ष्य की दिशा में गति मिलेगी। यह भागीदारी अपनी क्षमता को 500 केबीओईपीडी तक बढ़ाने के लिये हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, जिसके

साथ ही हम भारत के राज्यों की आर्थिक समृद्धि में योगदान देना चाहते हैं। नये खोजे गये ऑयल/गैस फील्ड्स ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के सफर में सहायता करेंगे।' सरकार ने इंटरनेशनल कॉम्पीटिटिव बिडिंग (आईसीबी) के माध्यम से डिस्कवर्ड फील्ड पॉलिसी के तहत 75 फील्ड्स की पेशकश के लिये मई 2022 में डीएसएफ की बोली का तीसरा राउंड आयोजित किया था। इन फील्ड्स की खोज देश की प्रमुख तेल एवं गैस कंपनियों ने की थी, जिन्हें 75 ऑयल एण्ड गैस फील्ड्स समेत 32 अनुबंध क्षेत्रों के विकास और मुद्रीकरण की बोली के लिये आमंत्रित किया गया था। इनमें से 11 अनुबंध क्षेत्र ऑनशोर में, 20 शैलो वाटर ऑफशोर में 1 एक डीप वाटर ऑफशोर में है। केयर्न ऑयल एण्ड गैस ने 31 ब्लॉक्स के लिये बोली लगाई थी और उसे 8 ब्लॉक्स मिले, जो अलग-अलग राज्यों में हैं।

इन नई साइनिंग्स के साथ, देश में केयर्न का मौजूदा विस्तार 58 से 67 ब्लॉक्स का हो गया है। बीते वर्षों में केयर्न ने भारत के घरेलू ऊर्जा बाजार को आकार देने में अभिन्न भूमिका निभाई है और भारत के कुल घरेलू क्रूड ऑयल उत्पादन में उसका योगदान लगभग 25% है। कंपनी का मंगला ऑयल फील्ड हाल ही में उत्पादन के 14वें वर्ष में पहुँचा है, जहाँ एक फुल-फील्ड एनहांस्ड ऑयल रिकवरी (ईओआर) पॉलीमर प्रोजेक्ट है, जो दुनिया में अपनी तरह के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फील्ड से मंगला पाइपलाइन भी शुरू होती है, जो लगातार गर्म और इंसुलेटेड रहने वाली विश्व की सबसे लंबी पाइपलाइन है और राजस्थान के फील्ड्स से क्रूड को गुजरात की रिफाइनरीज तक पहुँचाती है। केयर्न का रव्वा फील्ड भारत का पहला ऑफशोर एसेट है, जो रिजर्वोइर के बेहतरीन प्रबंधन और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजीस को अपनाने का एक उदाहरण है, जिसने 50% से ज्यादा का रिकवरी फैक्टर हासिल किया है।

2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण से एक लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा बचेगी

सूरत। एजेंसी

भारत अगर 2025 तक पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करता है, तो देश को लगभग एक लाख करोड़ रुपये के बराबर विदेशी मुद्रा की बचत होगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को यह जानकारी दी। शाह ने कहा कि जून, 2021 में सरकार ने नवंबर, 2022 तक पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथनॉल सम्मिश्रण प्राप्त करने का लक्ष्य रखा था, जिसे पांच महीने पहले हासिल किया गया था। उन्होंने सूरत शहर के बाहरी इलाके हजीरा में कृभको के बायोएथनॉल संयंत्र की आधारशिला रखने के बाद यह बात कही।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को जल्दी हासिल करने से सरकार ने 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने की समयसीमा को पांच साल पहले वर्ष 2025 तक कर दिया है। शाह ने कहा, ''एथनॉल का उत्पादन आने वाले दिनों में पेट्रोलियम क्षेत्र की पूरी अर्थव्यवस्था को बदलने वाला है। 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य को हासिल करने से वर्ष 2025 तक

लगभग एक लाख करोड़ रुपये विदेशी मुद्रा की बचत होगी।''

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए जैव ईंधन एक अच्छा विकल्प है, जिसका उत्पादन वर्ष 2011-12 के 17.2 करोड़ टन से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 21.2 करोड़ टन हो गया है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं, भारत ने इसे हासिल करने के लिए एक सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक एथनॉल नीति तैयार की है।

शाह ने कहा, ''इतने प्रयासों के बावजूद, अमेरिका 55 प्रतिशत एथनॉल का उत्पादन करता है, ब्राजील 27 प्रतिशत और भारत तीन प्रतिशत। मेरे कहने का मतलब यह है कि इस क्षेत्र में बहुत अधिक संभावनाएं हैं, जिसका सहकारी इकाइयों को दोहन करना चाहिए, जैसा कि कृभको ने किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सहकारी इकाइयों को आगे आना होगा।'' शाह ने कहा, ''एक तरह से, नवंबर, 2022 के लक्ष्य से पांच महीने पहले हासिल किए गए 10 प्रतिशत मिश्रण ने 46,000 करोड़ रुपये के कच्चे तेल के आयात को कम कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि बायोएथनॉल अनाज, गुड़, पौधों से बनाया जाता है और 10 प्रतिशत मिश्रण से 27 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम हो गया है। मंत्री ने कहा, ''जिस दिन सरकार 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लेगी, ये आंकड़े दोगुने हो जाएंगे।''

आईआरसीटीसी की दिल्ली-कटरा मार्ग पर विशेष 'भारत गौरव ट्रेन' शुरू करने की घोषणा

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए 'भारत गौरव ट्रेन' शुरू करने की घोषणा की है। आईआरसीटीसी ने बुधवार को बताया कि दिल्ली से कटरा की नवरात्रि स्पेशल ट्रेन 30 सितंबर से शुरू होगी। आईआरसीटीसी ने चार रात और पांच दिन के पैकेज की घोषणा की है। इसमें कटरा में दो रात का प्रवास शामिल है और इसका कुल शुल्क 11,990 रुपये प्रति व्यक्ति से शुरू है। ट्रेन एक पैंट्री कार, इन्फोटेनमेंट सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। साथ ही सुरक्षा गार्ड भी तैनात किए जाएंगे।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 1 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

मुंबई। एजेंसी

डॉलर में गिरावट और विदेशी निवेशकों की आमद के बाद मंगलवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे बढ़कर 79.12 पर पहुंच गया। इस गिरावट के साथ रुपया 1 महीने के उच्चतम स्तर पर बना रहा। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 79.12 पर कारोबार कर रहा था, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 79.52 पर बंद हुआ था।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी ने कहा, कमजोर डॉलर और भारत के लिए इनलाइन सीपीआई डेटा के कारण रुपये में मजबूती आई, जिससे रुपये पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। यूएस सीपीआई के कम अपेक्षित आंकड़ों के साथ शाम को 8.1 प्रतिशत पर आने की उम्मीद है, जो 8.5 प्रतिशत की तुलना में डॉलर को नेगेटिव रैली दे रहा है क्योंकि कम मुद्रास्फीति के आंकड़े फेड पर 0.75 बीपीएस की वृद्धि दर और 0.50 या के साथ जाने के लिए कम दबाव डालेंगे।

डॉलर इंडेक्स, जो छह मुद्राओं की एक बास्केट के मुकाबले ग्रीनबैक की ताकत का अनुमान लगाता है, 0.26 प्रतिशत गिरकर 107.782 पर आ गया। घरेलू इक्विटी बाजार में सेंसेक्स 470.64 अंक या 0.78 प्रतिशत बढ़कर 60,585.77 पर और निफ्टी 137.95 अंक या 0.77 प्रतिशत बढ़कर 18,074.30 पर कारोबार कर रहा था।

घरेलू व्यापक आर्थिक मोर्चे पर, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) अगस्त में बढ़कर 7.00 प्रतिशत हो गया, जो खाद्य कीमतों में तेजी के कारण जुलाई में 6.71 प्रतिशत था। सीपीआई के 7 प्रतिशत के निशान के साथ, यह सीधे आठवें महीने के लिए केंद्रीय बैंक के 6 प्रतिशत के ऊपरी टोलरेंस बैंड से ऊपर रहा।

सरकार ने केंद्रीय बैंक को मार्च 2026 को समाप्त होने वाली पांच साल की अवधि के लिए खुदरा मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत पर 2 प्रतिशत के मार्जिन के साथ बनाए रखने का आदेश दिया है। केंद्रीय बैंक के बैंड के भीतर मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक रेपो रेट में 140 आधार अंकों की वृद्धि की है, लेकिन फिर भी इसने मुद्रास्फीति को अपने नियंत्रण में रखने में मदद नहीं की और ऊपरी टोलरेंस बैंड से ऊपर रहा। वित्त मंत्रालय ने मुद्रास्फीति में वृद्धि के लिए आधार प्रभाव और खाद्य और ईंधन की कीमतों में वृद्धि को जिम्मेदार ठहराया था और जोर देकर कहा था कि आने वाले महीनों में कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों को और अधिक महत्वपूर्ण रूप से महसूस किया जाएगा।

जीएसटी संग्रह अक्टूबर से 1.5 लाख करोड़ रुपये के पार जा सकता है : राजस्व सचिव

मुंबई। एजेंसी

राजस्व सचिव तरुण बजाज ने बुधवार को कहा कि उन्हें अक्टूबर से जीएसटी (माल एवं सेवा कर) संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये पार रहने की उम्मीद है। जीएसटी संग्रह पिछले छह महीनों में लगातार 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। लेकिन अबतक निरंतर आधार पर 1.5 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार नहीं किया है। अगस्त में जीएसटी संग्रह 1.43 लाख करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर 28 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, यह जुलाई में 1.49 लाख करोड़ रुपये से कम है। केवल एक बार अप्रैल, 2022 में माल एवं सेवा कर संग्रह रिकॉर्ड 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बजाज ने कहा, "पिछले एक-दो महीने से हम 1.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन कभी हम 2,000 करोड़ रुपये और कभी 6,000 करोड़ रुपये से पीछे रह जाते हैं।"

अरिहंत कैपिटल आई बिलीव बिज़नेस अवाड्र्स

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आउटकम्स डेलिवर्ड द्वारा फ्लैगशिप इवेंट आई बिलीव बिज़नेस अवाड्र्स का आयोजन ग्रैंड शेराटन पैलेस होटल इंदौर में किया गया। अरिहंत कैपिटल आई बिलीव बिज़नेस अवाड्र्स के 7वें एडिशन में शहर के 20 स्टार्टअप्स, एमएसएमई, एवं उद्यमियों को उनके बिज़नेस के लिए सम्मानित किया गया। चीफ गेस्ट, शहर के महापौर श्रीमान पुष्यमित्र भार्गव जी ने अपने उद्बोधन से उद्यमियों को प्रोत्साहित किया। साथ ही, उन्होंने शहर के उद्यमियों को उनके श्रेष्ठ कार्य के लिए बधाई दी। स्पेशल गेस्ट श्री गौतम कोठरी जी ने भी सभी उद्यमियों के बीच अपने अनुभव शेयर किए। अरिहंत कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की वाइस प्रेसिडेंट, स्वाति जैन ने बताया कि वह इस इवेंट को सपोर्ट करते हुए किस नए उद्यमियों को प्रोत्साहित करना चाहती हैं। इवेंट आयोजक आउटकम्स डेलिवर्ड की मैनेजिंग पार्टनर, मूमल सिसोदिया ने बताया कि, अवार्डीस का चयन एक नॉमिनेशन प्रक्रिया द्वारा किया गया था, जिसने 200 से अधिक एंट्रीज अलग-अलग 20 कैटागरीज में आईं थी।

उच्चदाब, औद्योगिक इकाइयों को बिजली कंपनी ने दी 785 करोड़ की छूट

सबसे ज्यादा 201 करोड़ रूपए की पावर फैक्टर के रूप में दी राहत

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मध्यप्रदेश शासन की उद्योग हितैषी नीतियों के पालन और आदेशों के क्रियान्वयन में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है। एक वर्ष में कंपनी ने उच्च दाब औद्योगिक इकाइयों को कुल 785 करोड़ रूपए की छूट दी है। इसमें सबसे ज्यादा छूट 201 करोड़ रूपए की पावर फैक्टर राहत के रूप में प्रदान की गई है। प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि बिजली उद्योगों के संचालन, रोजगार और उन्नति के लिए बहुत आवश्यक है। उद्योगों को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति एवं यथासंभव राहत शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि मालवा और निमाड़ के चार हजार दो सौ उच्च दाब कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं, उद्योग संचालकों की शासन के अनुसार हर संभव मदद की जा रही है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि सबसे ज्यादा छूट पावर फैक्टर के रूप में 201 करोड़ रूपए की दी गई है। इसी तरह रात्रिकालीन बिजली उपयोग पर 180 करोड़, शासन की सब्सिडी के रूप में 106 करोड़, इंक्रीमेंटल छूट के रूप में 105 करोड़, ग्रीन फील्ड छूट के रूप में 88 करोड़, नए कनेक्शनों को विशेष छूट के रूप में 49 करोड़ की राहत दी गई है। इसी तरह केप्टिव छूट, ऑन लाइन भुगतान छूट, एडवांस पैमेंट छूट, प्राम्प्ट पैमेंट छूट आदि के रूप में भी करोड़ों की राहत प्रदान की गई है। श्री अमित तोमर ने बताया कि शासन व बिजली कंपनी का उद्देश्य उच्चदाब उपभोक्ताओं, उद्योग संचालकों को गुणवत्ता से बिजली प्रदान करना, शासन के आदेशों के अनुसार राहत देना और रोजगार बढ़ाने के लिए हरसंभव मदद करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ग के उपभोक्ताओं के लिए कंपनी स्तर पर विशेष प्रकोष्ठ है, जिसमें अधीक्षण यंत्री स्तर के दो अधिकारी पर्यवेक्षण करते है। सभी 15 सर्कल में मैदानी अधीक्षण यंत्री आपूर्ति पर सतत निगाह रखते है, जहां भी तकनीकी कठिनाई आती है, तुरंत समाधान किया जाता हैं।

वाहन कंपनियां कलपुर्जा आपूर्तिकर्ताओं को स्थानीय विनिर्माण से रोकेंगी, तो इसे गंभीरता लेंगे: गोयल

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

अगर कोई वाहन कंपनी अपने कलपुर्जा आपूर्तिकर्ताओं को स्थानीय रूप से विनिर्माण करने की इजाजत नहीं देती है, तो सरकार इस पर गंभीरता से ध्यान देगी और सख्त कदम उठाएगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने उम्मीद जताई कि उद्योग भारत में कलपुर्जों के विनिर्माण को बढ़ावा देना जारी रखेगा।

वह भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ के 62वें वार्षिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। गोयल ने कहा, ''मैं सभी वाहन कंपनियों से कहना चाहूंगा कि अगर कोई कंपनी कलपुर्जा आपूर्तिकर्ता को स्थानीय स्तर पर विनिर्माण की अनुमति नहीं देती है, तो सरकार उसपर गंभीरता से ध्यान देगी।'' उन्होंने कहा कि यदि कलपुर्जों को विदेश में पसंदीदा आपूर्तिकर्ता से आयात करने के लिए बाध्य किया गया, या ऐसी कीमतों पर आयात किया गया जो प्रतिस्पर्धी न हो, तो इस बात को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई वाहन कंपनी किसी कलपुर्जा विनिर्माता को स्थानीय स्तर पर विनिर्माण करने की जगह कलपुर्जों को आयात करने के लिए दबाव डाल रही है, तो ''मैं आपसे आग्रह करूंगा कि कृपया सीधे मेरे पास आएं और बिना किसी हिचकिचाहट के मुझसे बात करे।'' मंत्री ने कहा कि उन्हें ऐसा पता चला है कि कुछ वाहन कलपुर्जा कंपनियों को अपने संयुक्त उद्यम भागीदारों से भी कुछ तनाव और दबाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सरकार गंभीरता से विचार करेगी और अगर कोई संयुक्त उद्यम भागीदार नाखुश है, तो वह साथ छोड़ने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में भारतीय कंपनियां उन्हें निष्पक्ष और सम्मानजनक निकास का मौका दे सकती हैं। गोयल ने कहा कि अगर किसी को अनुचित शर्तों पर मजबूर किया जा रहा है, तो घरेलू कंपनी को अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए और सरकार इसे अन्य देशों में अपने समकक्षों के साथ उठाएगी।

सरकार ने रूस के साथ व्यापार को बढ़ावा देने के लिये एसबीआई को अधिकृत किया: फियो

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने रूस के साथ रुपये में व्यापार को बढ़ावा देने के लिये देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को अधिकृत किया है। जल्द ही इस व्यवस्था को अमल में लाने के लिये रूस अपने बैंक का नाम बताएगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जुलाई में परिपत्र जारी कर बैंकों को भारतीय रुपये में निर्यात और आयात लेनदेन को लेकर अतिरिक्त व्यवस्था करने के लिए कहा था। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोप के प्रतिबंधों की वजह से कारण भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार का एक बड़ा हिस्सा रुपये में हो रहा है। फियो के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा कि एसबीआई के पास रुपये में व्यापार को सुगम बनाने के पर्याप्त साधन है। लेकिन रूस को अभी बैंक की पहचान करनी है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मंगलवार को वाणिज्य सचिव (बीवीआर सुब्रमण्यम) ने हमें बताया कि रूस सरकार जल्दी ही बैंक का नाम बताएगी...रुपये में रूस के साथ व्यापार होगा।'' शक्तिवेल कहा कि रूस बैंक का नाम 15 दिन में बता सकता है। उन्होंने कहा, ''एसबीआई को पहले ही अधिकृत किया जा चुका है। हमारी ईरान के साथ रुपये में भुगतान की व्यवस्था है...एसबीआई बड़ा बैंक जो निर्यातकों की जरूरतों को पूरा कर सकता है।'' शक्तिवेल ने सेवा क्षेत्र के निर्यात को गति देने को लेकर यात्रा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों के लिये एसईआईएस (भारत से सेवा निर्यात योजना) जैसी योजना पर विचार किये जाने की भी आवश्यकता बतायी। शक्तिवेल ने कहा, ''रूस-यूक्रेन युद्ध का कच्चे तेल और खाने के सामान के दाम पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इससे वैश्विक व्यापार के समक्ष चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं। इसको देखते हुए सेवा निर्यात को गति देने की जरूरत है। इससे व्यापार घाटा और चालू खाते के घाटे (कैड) के मोर्चे पर राहत मिलेगी।''

FIEO
FEDERATION OF INDIAN EXPORT ORGANISATIONS

सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अनुपालन कम कर रही है: पटेल

मुंबई। एजेंसी

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने बुधवार को कहा कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अनुपालन को और कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। '14वें फिक्की फूडवर्ल्ड इंडिया - खाद्य व्यापार और उद्योग के लिए वैश्विक सम्मेलन' को संबोधित करते हुए पटेल ने भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र और उत्पादों के विपणन और ब्रांडिंग को बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''सरकार उद्योग को समर्थन देने और समस्याओं का समाधान खोजने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हमें बाधाओं को दूर करके मौजूदा योजनाओं को और सरल बनाने की जरूरत है और उद्योग इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'' उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान उद्योग और क्षेत्र को समर्थन देने के लिए अनुपालन को कम करने पर है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने उद्योग और नवोन्मेष को समर्थन देने के लिए पहले ही 'इनक्यूबेशन' केंद्रों की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में सुधार के लिए निरंतर कदम उठा रही है, जिसमें इस क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार न केवल घरेलू बाजारों बल्कि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की वैश्विक मांग को भी पूरा करने के लिए उपाय कर रही है। पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र रीढ़ होगा। मंत्री ने कहा, ''प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के लिए उपभोक्ताओं में विश्वास को और मजबूत करने की जरूरत है और उद्योग के साथ-साथ सरकार को इस दिशा में काम करना होगा।'' इस अवसर पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के पूर्व सचिव सिराज हुसैन ने कहा कि भारतीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग ने कोविड -19 के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्राथमिक खाद्य प्रसंस्करण बाजार में सुधार लाने और बाजार बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''जबतक हम प्राथमिक खाद्य प्रसंस्करण बाजार को प्रोत्साहित नहीं करेंगे, हम किसानों के साथ खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का सीधा जुड़ाव स्थापित नहीं कर पाएंगे।''

इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास, परीक्षण के लिए सख्त प्रोटोकॉल का पालन जरूरी: उद्योग दिग्गज

नयी दिल्ली। एजेंसी

इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास और परीक्षण के लिए सख्त प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी है। वाहन उद्योग के दिग्गजों ने इसके साथ ही कहा कि वाहनों में आग लगने की घटनाओं से बचने के लिए कंपनियों को बाजार में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) के पूर्व प्रबंध निदेशक पवन गोयनका ने कहा, ''इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अभी विकसित हो रहे हैं। विनिर्माता सीखने की प्रक्रिया में हैं और यहां तक कि परीक्षण एजेंसियों को भी अभी यह पता लगाना है कि कौन से परीक्षण किए जाएं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इलेक्ट्रिक वाहन में आग नहीं लगेगी।''

उन्होंने कहा, ''करीब 15-20 साल पहले आंतरिक दहन इंजन कारों के साथ भी इस तरह की घटनाएं देखी गईं थीं, क्योंकि उस समय हमें पता नहीं था कि क्या करने की जरूरत है।'' गोयनका इस वक्त भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के चेयरमैन हैं। उन्होंने कहा, ''ईवी विकसित हो रहे हैं और इसलिए कुछ घटनाएं (आग लगने की) तय हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि विनिर्माता इसे हल्के में ले रहे हैं।'' उन्होंने स्वीकार किया कि आग की घटनाओं से पूरे ईवी उद्योग की बदनामी हो सकती है। गोयनका ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि डिजाइन को लेकर कोई विनिर्माता लापरवाह है। बात सिर्फ इतनी है कि हमारे पास अभी पर्याप्त जानकारी नहीं है। हम सीखने की प्रक्रिया में हैं और बहुत तेजी से परिपक्व हो रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार भी बहुत सख्ती से जांच कर रही है, हालांकि परीक्षण एजेंसियों को भी नहीं पता है कि यह सुनिश्चित करने के लिए क्या करना चाहिए कि किसी इलेक्ट्रिक वाहन में आग नहीं लगेगी। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) के अध्यक्ष संजय कपूर ने कहा कि ईवी की विकास प्रक्रिया को समझने की जरूरत है, क्योंकि कई कंपनियों को इस क्षेत्र में पहले से कोई अनुभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ईवी क्षेत्र में कई विनिर्माता ऐसे हैं, जिन्होंने अतीत में वाहनों का विनिर्माण नहीं किया है। कपूर ने कहा कि आंतरिक दहन इंजन वाले वाहनों में भी आग लगने की घटनाएं होती हैं, लेकिन ईवी की चर्चा ज्यादा होती है।

देश में दूध उत्पादन 25 साल में तिगुना बढ़कर 62.8 करोड़ टन होने की उम्मीद: आर एस सोढ़ी

ग्रेटर नोएडा। देश में दूध उत्पादन 4.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि के साथ अगले 25 साल में तीन गुना बढ़कर 62.8 करोड़ टन हो जाने की उम्मीद है। अमूल के प्रबंध निदेशक आर एस सोढ़ी ने सोमवार को यह कहा। अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के प्रबंध निदेशक ने कहा कि वर्ष 2021 में देश का दूध उत्पादन 21 करोड़ टन था। उन्होंने डेयरी क्षेत्र के परिदृश्य के बारे में एक प्रस्तुति देते हुए कहा, ''भारत में दूध उत्पादन अगले 25 साल में 4.5 प्रतिशत की संचयी वृद्धि के साथ 62.8 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है।'' सोढ़ी ने यहां इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित इंटरनेशनल डेयरी फेडरेशन वर्ल्ड डेयरी समिट (आईडीएफ डब्ल्यूडीएस) 2022 में यह बात कही। वैश्विक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी अगले 25 वर्षों में लगभग 23 प्रतिशत से लगभग दोगुनी होकर 45 प्रतिशत होने का अनुमान है। सोढ़ी ने कहा कि बढ़ती आबादी के कारण मांग भी बढ़ने वाली है। उन्होंने कहा कि अगले 25 साल में दूध की मांग बढ़कर 51.7 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जिससे 11.1 करोड़ टन दूध का निर्यात अधिशेष रह जाएगा। जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक ने कहा कि भारत में दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धता अगले 25 साल में बढ़कर 852 ग्राम प्रतिदिन हो जाएगी, जो वर्ष 2021 में 428 ग्राम प्रतिदिन थी। सोढ़ी ने कहा कि भारत के डेयरी क्षेत्र में दुनिया में सबसे कुशल आपूर्ति श्रृंखला है। उपभोक्ताओं को दूध की आपूर्ति के लिए पैकेजिंग और परिवहन लागत वैश्विक औसत की तुलना में बहुत कम है।

वोल्टास ने इस साल जनवरी-अगस्त में 14 लाख एसी बेचे

नयी दिल्ली। एजेंसी

टाटा समूह की कंपनी वोल्टास ने अगस्त, 2022 तक करीब 14 लाख आवासीय एयर कंडीशनर (एसी) की बिक्री की है। कंपनी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इस साल भीषण गर्मी के कारण ठंडक प्रदान करने वाले उत्पादों की मांग बढ़ने से बिक्री बढ़ी है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह लगातार सातवां साल है, जब वोल्टास ने दस लाख से अधिक एसी की बिक्री के आंकड़े को पार किया है। इसमें कहा गया है कि देशभर में भीषण गर्मी पड़ने और कंपनी के मजबूत ऑनलाइन तथा ऑफलाइन वितरण नेटवर्क की वजह से कंपनी ने जनवरी से अगस्त के दौरान 14 लाख एसी बेचे हैं। वोल्टास ने कहा कि ब्रांड अब अपने खुदरा और वितरण नेटवर्क का और विस्तार करने, अपने बढ़ते उत्पाद पोर्टफोलियो को पूरा करने, प्रतिस्पर्धा पर अतिरिक्त बढ़त हासिल करने की तैयारी में है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष (2022-23) की पहली तिमाही के दौरान सभी श्रेणियों में कुल बिक्री के साथ-साथ एसी की बिक्री में भी 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है।

श्रीलंका के चाय उत्पादन में कमी को पूरा कर सकते हैं भारतीय उत्पादक : चाय संघ

कोलकाता। एजेंसी

आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका में चाय का उत्पादन गिर गया है और इस कमी को भारत पूरा कर सकता है। उद्योग निकाय भारतीय चाय संघ (टीएआई) ने यह बात कही है। टीएआई के महासचिव पी के भट्टाचार्य ने कहा कि श्रीलंका से उत्पादन में जो कमी हुई है उसकी भरपाई भारत कर सकता है और इसका संकेत है भारतीय चाय उत्पादकों की परंपरागत किस्म की चाय के दाम में हुई वृद्धि। नीलामी में भारतीय चाय के दाम 75 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 100 रुपये किलोग्राम हो गए हैं। भारत प्रतिवर्ष करीब 11-12 करोड़ किलो परंपरागत चाय का उत्पादन करता है। टीएआई के मुताबिक, जुलाई, 2022 तक श्रीलंका में परंपरागत चाय का उत्पादन 2021 की तुलना में करीब 19 प्रतिशत घट गया। भट्टाचार्य ने कहा कि श्रीलंका में आर्थिक संकट की वजह से परंपरागत चाय उत्पादन घटा है और यदि ऐसा चलता रहेगा तो श्रीलंका में इसका उत्पादन करीब 10 करोड़ किलो तक घट सकता है और इसकी कमी भारतीय चाय उत्पादक पूरी कर सकते हैं। संघ ने कहा कि भारतीय चाय के निर्यात में जुलाई 2022 तक करीब नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई और इस साल में चाय का कुल निर्यात 20 करोड़ किलोग्राम तक हो सकता है। स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल (सीआईएस) देशों के बाद संयुक्त अरब अमीरात भारतीय चाय का सबसे बड़ा उपभोक्ता है जिसने जनवरी से जून के बीच 1.58 करोड़ किलो चाय का आयात किया। इससे एक साल पहले उसने 67.6 लाख किलो आयात किया था।ईरान ने इस अवधि में 1.14 करोड़ किलो आयात किया जो पिछले वर्ष के 1 करोड़ किलोग्राम से अधिक है।

किसान रेल सेवा पर खर्च 71.86 करोड़ रुपये रेलवे ने बट्टे खाते में डाले

नयी दिल्ली। रेलवे को पिछले वित्त वर्ष में किसानों की मदद के लिए संचालित किसान रेल सेवा पर अतिरिक्त सब्सिडी के रूप में खर्च की गई 71.86 करोड़ रुपये की बट्टे खाते में डालनी पड़ी है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, रेलवे ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान किसान रेल सेवा के तहत सब्सिडी पर कुल 121.86 करोड़ रुपये खर्च किए। यह राशि इस सेवा के नोडल निकाय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की तरफ से सब्सिडी के लिए स्वीकृत 50 करोड़ रुपये की राशि से दोगुनी थी।

दरअसल, खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने स्वीकृत राशि से अधिक रकम का बोझ उठाने से मना कर दिया है। इसकी वजह से रेल मंत्रालय को किसान रेल सेवा के तहत 71.86 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी का बोझ खुद ही उठाना पड़ा है और उसने इस राशि को बट्टे खाते में डाल दिया है। किसानों की मदद के लिए संचालित 'ऑपरेशन ग्रीन्स- टॉप टु टोटल' योजना के तहत ही किसान रेल सेवा चलाई गई। इस योजना के तहत रेलवे के माध्यम से फलों एवं सब्जियों की ढुलाई के लिए सीधे किसानों एवं कारोबारियों को 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है।

किसान रेल सेवा की शुरुआत कोविड-19 महामारी के दौरान अगस्त, 2020 में की गई थी। इसके जरिये कृषि उपज पैदा करने वाले किसानों को बाजार स्थलों से जोड़ने का मकसद रखा गया था। खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने पिछले वित्त वर्ष के लिए इस सब्सिडी के मद में 50 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इस राशि का भुगतान मंत्रालय ही करता है। लेकिन इससे अधिक सब्सिडी राशि का भुगतान करने से उसने मना कर दिया है। इस संदर्भ ने पूछे गए एक सवाल के जवाब में रेलवे ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए उसने सब्सिडी पर 121.86 करोड़ रुपये खर्च किए लेकिन खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की तरफ से उसे 50 करोड़ रुपये ही मिले।

रेलवे ने कहा, ''अतिरिक्त सब्सिडी व्यय की भरपाई का मुद्दा कई बार उठाया गया लेकिन खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने कहा है कि इसके लिए अतिरिक्त कोष का आवंटन संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में बकाया 71.86 करोड़ रुपये की राशि रेलवे के बहीखाते में बकाया के रूप में दर्ज है। रेल मंत्रालय की मंजूरी मिलने के बाद इस राशि को बट्टे खाते में डाल दिया गया है।'' वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान किसान रेल सेवा के तहत रेलवे ने 1,851 ट्रेनों का परिचालन किया था। वहीं चालू वित्त वर्ष में अगस्त तक ऐसी 63 ट्रेन चलाई जा चुकी हैं।

विमान कर्मियों का 'ब्रेथ एनालाइजर' परीक्षण 15 अक्टूबर से फिर शुरू होगा

नयी दिल्ली। एजेंसी

पायलटों और चालक दल के सदस्यों सहित सभी विमान कर्मचारियों को 15 अक्टूबर से शरीर में अल्कोहल की मात्रा का पता लगाने संबंधी परीक्षण (ब्रेथ एनालाइजर) से गुजरना होगा। डीजीसीए ने महामारी की वजह से इस तरह की जांच पर अंकुश लगा दिया था, जिसे अब हटा दिया गया है। यह परीक्षण इसलिए किया जाता है ताकि पता लगाया जा सके कि क्या विमान कर्मियों ने शराब का सेवन किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान यह परीक्षण 50 प्रतिशत कर्मचारियों तक सीमित था। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि ब्रेथ एनालाइजर परीक्षण (बीएटी) जारी रहेगा। हालांकि, अदालत ने अपनी इस शर्त को हटा दिया कि एक घंटे में केवल छह कर्मी ही जांच से गुजर सकते हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने अपने ताजा आदेश में कहा कि 15 अक्टूबर से चालक दल के सदस्यों और सभी विमान कर्मचारियों को इस परीक्षण से गुजरना होगा। नियामक ने कहा कि सावधानी बरतते हुए जहां तक संभव हो, इस तरह का परीक्षण एक बड़े और खुले क्षेत्र में किया जाना चाहिए, जहां सीसीटीवी कवरेज या कैमरा रिकॉर्डिंग हो।

इस बार हाथी पर सवार होकर आ रही हैं माता रानी बेहद शुभ है यह संयोग, 26 को करें कलश स्थापना

शारदीय नवरात्र की शुरुआत इस बार 26 सितंबर से हो रही है। इस बार माता रानी सोमवार को हाथी पर सवार होकर आ रही है। मां दुर्गा का आगमन और प्रस्थान दोनों हाथी पर होगा।

कहा जाता है कि माता का हाथी पर प्रस्थान शुभ होता है। इस सवारी पर माता के आने और जाने से माता का सभी के दुख, रोग, संताप, शोक आदि ले जाती हैं। हाथी पर माता के आगमन और प्रस्थान से माता रानी अपने भक्तों को धन-धान्य का आशीर्वाद देकर जाती हैं। यह भी कहा जाता है कि माता की हाथी की सवारी और प्रस्थान से पानी की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे पहले की बात करें तो माता डोली पर बैठकर आईं थीं और हाथी में बैठकर गईं थी। इसके अलावा माता शेर, घोड़ा और नाव पर बैठकर भी आती हैं। महालया के बाद 26 सितंबर को घरों में कलश स्थापना की जाएगी। नवरात्रि के नौ दिन माता के नौ रूपों की पूजा की जाती है। इसके बाद अष्टमी तिथि और नवमी तिथि को कन्या भोज कराया जाता है। इस बार 4 अक्टूबर को महानवमी के बाद 5 अक्टूबर को दशहरा का पर्व मनाया जाएगा।

शारदीय नवरात्रि में न करें ये काम, मां दुर्गा हो सकती है नाराज

कन्याओं का दिल न दुखाएंः

हिंदू धर्म में कन्याओं को मां दुर्गा का रूप माना जाता है. इसलिए नवरात्रि में कन्या पूजन या कंजका पूजन का विधान है. नवरात्रि में किसी भी कन्या या महिला के प्रति बुरे विचार न लाएं, नहीं तो मां दुर्गा नाराज हो सकती हैं.

नवरात्रि में घर को अकेला न छोड़े

यदि घर में नवरात्रि व्रत के कलश की स्थापना की है या अखंड ज्योति जला रखी है, तो नवरात्रि में घर को अकेला नहीं छोड़ना चाहिए. इससे माता रानी नाराज हो सकती हैं.

कलह या विवाद से रहें दूरः

नवरात्रि के दौरान भक्तों को किसी भी प्रकार की कलह या विवाद से दूर रहना चाहिए, क्योंकि कलह या विवाद से व्रतधारी की आत्मा को दुख पहुंचता है. जिससे देवी मां नाराज हो सकती हैं. वैसे भी धार्मिक मान्यता है कि लड़ाई झगड़े वाले घर में मां लक्ष्मी वास नहीं करती हैं.

लहसुन प्याज का सेवन न करें

नवरात्रि के पावन दिनों में सात्विकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए. लहसुन और प्याज तामसिक भोजन में आता है. इसके सेवन से मन में कुत्सित विचार उपजते हैं. इससे मां की पूजा में बाधा आती है. परिणाम स्वरूप मन नाराज हो सकती हैं.

पितृ पक्ष में कौवों को भोजन कराने का महत्व?

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का काफी महत्व होता है, इस साल पितृपक्ष 10 सितंबर से 25 सितम्बर तक चलेगा, पितृ पक्ष में पित्तरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है, इसके साथ ही इस दिन कौवों को भी भोजन कराया जाता है, इस दिन कौवों को भोजन कराना काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। पितृपक्ष में पित्तरों का श्राद्ध और तर्पण करना जरूरी माना जाता है, यदि कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता

तो उसे पित्तरों का श्राप लगता है, लेकिन शास्त्रों के अनुसार श्राद्ध करने के बाद जितना जरूरी भांजे और ब्राह्मण को भोजन कराना होता है, उतना ही जरूरी कौवों को भोजन कराना होता है, माना जाता है कि कौवे इस समय में हमारे पित्तरों का रूप धारण करके पृथ्वीं पर उपस्थित रहते हैं, इसके पीछे एक पौराणिक कथा जुड़ी है जो कि इस प्रकार हैः- इन्द्र के पुत्र जयन्त ने ही सबसे पहले कौवे का रूप धारण किया था, यह कथा त्रेतायुग की है, जब भगवान श्रीराम ने अवतार लिया और जयंत ने कौए का रूप धारण कर माता सीता के पैर में चोंच मारा था, तब भगवान श्रीराम ने तिनके का बाण चलाकर जयंत की आंख फोड़ दी थी, जब उसने अपने किए की माफी मांगी, तब राम ने उसे यह वरदान दिया कि तुम्हें अर्पित किया भोजन पितरों को मिलेगा, तभी से श्राद्ध में कौवों को भोजन कराने की परंपरा चली आ रही है, यही कारण है कि श्राद्ध पक्ष में कौवों को ही पहले भोजन कराया जाता है। इसी कारण कौवों को न तो मारा जाता है और न हीं किसी भी रूप से सताया जाता है, यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसे पित्तरों के श्राप के साथ- साथ अन्य देवी देवताओं के क्रोध का भी सामना करना पड़ता है और उन्हें जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार की कोई सुख और शांति प्राप्ति नहीं होती है। पितर पक्ष के समय पंच बली जरूर निकाले 1. चींटी, 2. गाय, 3.कौआ, 4. कुत्ता, 5. देवादि बलि यह जरूर करनी चाहिए।

कौवे से जुड़े शकुन और अपशकुन का रहस्य?

प्राचीन समय के ऋषियों मुनियों ने अपने शोध में बताया था की प्रत्येक जानवर के विचित्र व्यवहार एवं हरकतों का कुछ न कुछ प्रभाव अवश्य होता है. जानवरों के संबंध में अनेको बाते हमारे पुराणों एवं ग्रंथो में भी विस्तार से बतलाई गई है।

हमारे सनातन धर्म में माता के रूप में पूजनीय गाय के संबंध में तो बहुत सी बाते आप लोग जानते है होंगे परन्तु आज हम जानवरों के संबंध में पुराणों से ली गई कुछ ऐसी बातो के बारे में बतायेंगे जो आपने पहले कभी भी किसी से नहीं सुनी होगी. जानवरों से जुड़े रहस्यों के संबंध में पुराणों में बहुत ही विचित्र बाते बतलाई गई जो किसी को आश्चर्य में डाल देंगी।

कौए का रहस्य

कौए के संबंध में पुराणों बहुत ही विचित्र बाते बतलाई गई है मान्यता है की कौआ अतिथि आगमन का सूचक एवं पितरो का आश्रम स्थल माना जाता है।

हमारे धर्म ग्रन्थ की एक कथा के अनुसार इस पक्षी ने देवताओ और राक्षसों के द्वारा समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत का रस चख लिया था. यही कारण है की कौआ की कभी भी स्वाभाविक मृत्यु नहीं होती. यह पक्षी कभी किसी बिमारी अथवा अपने वृद्धा अवस्था के कारण मृत्यु को प्राप्त नहीं होता.

इसकी मृत्यु आकस्मिक रूप से होती है।

यह बहुत ही रोचक है की जिस दिन कौए की मृत्यु होती है उस दिन उसका साथी भोजन ग्रहण नहीं करता. ये आपने कभी ख्याल किया हो तो यह बात गौर देने वाली है की कौआ कभी भी अकेले में भोजन ग्रहण नहीं करता यह पक्षी किसी साथी के साथ मिलकर ही भोजन करता है। कौआ की लम्बाई करीब 20 इंच होता है, तथा यह गहरे काले रंग का पक्षी है. जिनमे नर और मादा दोनों एक समान ही दिखाई देते है. यह बगैर थके मिलो उड़ सकता है. कौए के बारे में पुराण में बतलाया गया है की किसी भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास पूर्व ही हो जाता है. पितरो का आश्रय स्थल श्राद्ध पक्ष में कौए का महत्व बहुत ही अधिक माना गया है . इस पक्ष में यदि कोई भी व्यक्ति कौआ को भोजन कराता है तो यह भोजन कौआ के माध्यम से उसके पीतर ग्रहण करते है. शास्त्रों में यह बात स्पष्ट बतलाई गई है की कोई भी क्षमतावान आत्मा कौए के शरीर में विचरण कर सकती है।भादौ महीने के 16 दिन कौआ हर घर की छत का मेहमान बनता है. ये 16 दिन श्राद्ध पक्ष के दिन माने जाते हैं. कौए एवं पीपल को पितृ प्रतीक माना जाता है. इन दिनों कौए को खाना खिलाकर एवं पीपल को पानी पिलाकर पितरों को तृप्त किया जाता है।

कौवे से जुड़े शकुन और अपशकुन

1 . यदि आप शनिदेव को प्रसन्न करना चाहते हो कौआ को भोजन करना चाहिए।

2 . यदि आपके मुंडेर पर कोई कौआ बोले तो मेहमान अवश्य आते है।

3 . यदि कौआ घर की उत्तर दिशा से बोले तो समझे जल्द ही आप पर लक्ष्मी की कृपा होने वाली है।

4 . पश्चिम दिशा से बोले तो घर में मेहमान आते है।

5 . पूर्व में बोले तो शुभ समाचार आता है।

6 . दक्षिण दिशा से बोले तो बुरा समाचार आता है।

7 . कौवे को भोजन कराने से अनिष्ट व शत्रु का नाश होता है।

लेक्सस डिज़ाइन अवॉर्ड इंडिया 2023 के लिए

लेक्सस इंडिया ने जजों के एक सम्मानित पैनल की घोषणा की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

लेक्सस डिज़ाइन अवॉर्ड इंडिया 2023 के लिए लेक्सस इंडिया ने जजों के सम्मानित पैनल की घोषणा की है। इस वर्ष की शुरुआत में 28 जुलाई से लेकर 28 सितंबर, 2022 तक 'कॉल फॉर एंट्रीज़' की घोषणा के साथ, क्यूरेटेड प्लेटफॉर्म देश भर के डिज़ाइनर्स के लिए एक सटीक मंच है, जो उन्हें विभिन्न विचारों और उनके समाधानों के माध्यम से अपनी प्रतिभा को उजागर करने का अवसर देता है, साथ ही उनके बेहतर कल का सृजन करता है। एंट्रीज़ द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों का मूल्यांकन आशा, नवाचार, आकर्षण और आनंद के 4 प्रमुख डिज़ाइन सिद्धांतों पर किया जाएगा।

प्रतिष्ठित लेक्सस डिज़ाइन अवॉर्ड इंडिया, अपने छठे वर्ष में तेजी से आगे बढ़ रहा है, क्योंकि इससे उन डिज़ाइन प्रोफेशनल्स और व्यक्तियों की असाधारण प्रतिभा को पहचान मिलती है, जिनकी डिज़ाइन्स बेहतर कल की परिभाषा बुनने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उक्त वार्षिक कार्यक्रम देश भर में स्थापित और आगामी दोनों रचनात्मक प्रतिभाओं के साथ जुड़ा हुआ है, जो अपनी अत्याधुनिक डिज़ाइन्स के लिए प्रतिष्ठित एलडीएआई ट्रॉफी जीतने की इच्छा रखते हैं।

जूरी के अध्यक्ष होने के नाते, श्रीकांत निवासकर ने कहा, 'लेक्सस डिज़ाइन अवॉर्ड इंडिया निश्चित रूप से डिज़ाइनर्स के लिए अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए एक प्रतिष्ठित मंच है। डिज़ाइन और इनोवेशन के विभिन्न तत्वों को शामिल करते हुए, यह प्लेटफॉर्म डिज़ाइनर्स के लिए एक बेहतर कल की परिभाषा रचने के तरीके पर ध्यान देने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं इस साल के जजिंग पैनल का हिस्सा बनकर रोमांचित हूँ और हमारे चारों ओर खूबसूरत डिज़ाइन्स से प्रभावित होने के लिए तैयार हूँ।'

इस अवसर पर बोलते हुए, नवीन सोनी, प्रेसिडेंट, लेक्सस इंडिया ने कहा, 'हम लेक्सस डिज़ाइन अवॉर्ड इंडिया के पाँच सफल संस्करणों का जश्न मनाने के बाद, जूरी सदस्यों के एक पैनल के साथ छठे संस्करण को लाकर खुश हैं, जिन्हें डिज़ाइन और इनोवेशन के क्षेत्र में अपार अनुभव और ज्ञान हैं। हमें यकीन है कि इस वर्ष का संस्करण वास्तव में उन विचारों को जाग्रत करेगा, जो न केवल प्रेरणा के स्त्रोत हैं, बल्कि हमारे समाज के लिए एक बेहतर कल का निर्माण करते हैं। इसमें लेक्सस डिज़ाइन के प्रमुख सिद्धांतों को शामिल करते हुए सभी के लिए आशा, नवाचार, आकर्षण और आनंद को शामिल किया गया है।'

ह्यूजेज ने देश की पहली उच्च क्षमता वाली उपग्रह बॉडबैंड सेवाएं शुरू की

नयी दिल्ली। एजेंसी

ह्यूजेज कम्युनिकेशंस ने देश की पहली उच्च क्षमता की उपग्रह (हाई थ्रोपुट सैटेलाइट) आधारित ब्रॉडबैंड सेवा शुरू की है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि इस सेवा से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के जीसैट-11 और जीसैट-29 संचार उपग्रहों का उपयोग करते हुए सुदूर स्थानों सहित देशभर में उच्च गति वाली उपग्रह आधारित इंटरनेट सुविधा प्राप्त होगी। 'हाई थ्रोपुट सैटेलाइट' (एचटीएस) उच्च क्षमता का संचार उपग्रह है। 'हाई-थ्रोपुट' कक्षा में स्थापित स्पेक्ट्रम की समान मात्रा का उपयोग करते समय क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि को बताता है। इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इसरो उपग्रहों के जरिये संचालित नई एचटीएस क्षमताओं के साथ हमें विश्वास है कि ह्यूजेज कम्युनिकेशंस उत्कृष्ट गुणवत्ता वाली उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करना जारी रखेगी और 'कनेक्टिविटी' अनुभव को और बेहतर करेगी...।'' ह्यूजेस कम्युनिकेशन इंडिया (एचसीआई) के कार्यकारी उपाध्यक्ष और कारोबार प्रमुख शिवाजी चटर्जी ने कहा कि एचटीएस सेवा एक साल पहले देश के उत्तरी हिस्सों में शुरू की गई थी। इसमें लद्दाख में गलवान घाटी के सीमावर्ती इलाके भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के साझा बुनियादी ढांचे के उपयोग की नीति लाने के साथ इसे देशभर में वाणिज्यक स्तर पर शुरू किया गया है। ह्यूजेज एचटीएस सेवा में उच्च बैंडविड्थ डेटा स्थानांतरण के लिये जीसैट-11 और जीसैट-19 के केयू बैंड ट्रांसपॉन्डर का उपयोग किया जा रहा है।

होंडा इस साल भारत में ई-रिक्शा के लिए बैटरी अदला-बदली सेवा शुरू करेगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

जापान की वाहन कंपनी होंडा इस साल के अंत तक भारत में इलेक्ट्रिक रिक्शा के लिए बैटरी अदला-बदली सेवा शुरू करने की योजना बना रही है। कंपनी वर्ष 2050 तक अपने सभी उत्पादों और कॉरपोरेट गतिविधियों के लिए कार्बन उत्सर्जन को शुद्ध रूप से शून्य करने की रणनीति के तहत 2023 तक भारत में 'फ्लेक्स ईंधन' वाली बाइक भी पेश करेगी। 'फ्लेक्स ईंधन' वाले वाहन पूरी तरह से पेट्रोल या बॉयो एथनॉल या दोनों के मिश्रण वाले ईंधन से चलने में सक्षम होते हैं।

होंडा ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उसका लक्ष्य अगले पांच साल के भीतर इलेक्ट्रिक वाहनों की वार्षिक बिक्री को दस लाख इकाई और 2030 तक 35 लाख इकाई तक पहुंचाना है। कंपनी ने कहा कि वर्तमान में वैश्विक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल बाजार का आकार लगभग प्रति वर्ष पांच करोड़ इकाई का है। इसमें से ज्यादातर चीन में बनी इलेक्ट्रिक मोपेड (ईएम) और इलेक्ट्रिक साइकिल हैं। कंपनी ने कहा, ''भारत में होंडा इस साल के अंत तक इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल टैक्सियों (रिक्शा) के लिए बैटरी शेयरिंग सेवा शुरू करने की योजना बना रही है।'' इसके अलावा होंडा अदला-बदला वाली बैटरी के मानकीकरण की दिशा में भी काम कर रही है।

खाद्य मंत्रालय कैंटीन, बैठकों में मोटे अनाज के उत्पादों का उपयोग बढ़ाएगा

नयी दिल्ली। एजेंसी

खाद्य मंत्रालय ने अपने कार्यालय की कैंटीन और सभी बैठकों में रागी बिस्कुट और कुकीज़ जैसे मोटे अनाज के उत्पादों का उपयोग बढ़ाने का फैसला किया है। इस संबंध में हाल ही में एक निर्देश वर्ष 2023 में मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज (मिलेट) वर्ष से पहले स्वस्थ उत्पादों की खपत को बढ़ावा देने के लिए जारी किया गया है।

रागी बिस्कुट, कुकीज, लड्डू, पके हुए अनाज के चिप्स आदि जैसे मोटे अनाज के उत्पादों को बैठकों में नाश्ते के रूप में परोसा जाएगा। मंत्रालय ने बयान में कहा कि कैंटीन में इस्तेमाल होने वाले मुख्य कच्चे माल के रूप में मोटे अनाज के साथ डोसा, इडली और वड़ा और जहां तक संभव हो स्थानीय रूप से उपलब्ध मोटा अनाज आधारित उत्पादों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 से पहले खाद्य मंत्रालय सक्रिय रूप से देश में मोटे अनाज की खरीद और खपत को बढ़ावा दे रहा है तथा कल्याणकारी योजनाओं में वितरण के लिए खरीदे गए बाजरा के उपयोग को बढ़ावा दे रहा है।

मोटे अनाज का सेवन कई लाभ प्रदान करता है और जीवन शैली की वजह से होने वाली बीमारियों से बचाव करता है। इसमें कहा गया है कि विटामिन, खनिज, फाइटोकेमिकल्स और आहार फाइबर सहित पोषक तत्वों के अपने उच्च घनत्व के कारण, मोटा अनाज कुपोषण और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को कम करने के लिए भी उत्कृष्ट अनाज है।

गेमर्स के लिए अपना राष्ट्रव्यापी टैलेंट हंट 'नेक्स्ट लेवल' आयोजित किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

गेमिंग कॉन्टेंट और मार्केटिंग में अग्रणी फर्म, ट्रिनिटी गेमिंग इंडिया ने एक टैलेंट हंट और गेमर ऑनबोर्डिंग प्रोग्राम लॉन्च करने की घोषणा की। 'नेक्स्ट लेवल' नाम का उक्त आयोजन फेसबुक गेमिंग के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। इसे पंजाब, राजस्थान और गुजरात के विभिन्न शहरों में अपार सफलता और प्रतिक्रिया हासिल हुई है, जिससे प्रेरित होकर प्रोग्राम के पाँचवे चरण का आयोजन 14 सितंबर, 2022 को सेज यूनिवर्सिटी, इंदौर में किया जाएगा। यह प्रोग्राम कॉलेज स्तर के गेमिंग एंथुज़ियास्ट्स को भविष्य की रेवेन्यू स्ट्रीम्स और करियर्स की संभावना के साथ प्रोफेशनल गेमर्स बनाने में योगदान देगा। 5 सितंबर से शुरू हुए 'नेक्स्ट लेवल' प्रोग्राम का संचालन अगले तीन महीनों में 2 दिसंबर, 2022 तक 24 शहरों में किए जाने की योजना है।

इंदौर प्रोग्राम के तहत सेज यूनिवर्सिटी में दिन भर इवेंट्स किए जाएँगे, जो स्टूडेंट्स को गेमिंग में करियर स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण और सलाह देने पर केंद्रित होंगे। इस इवेंट में ऐसी गतिविधियों को शामिल किया गया है, जिनके माध्यम से स्टूडेंट्स प्रोफेशनल गेमर्स और इन्फ्लुएंसर्स के साथ मंच साझा करके गेमिंग और स्ट्रीमिंग का रोमांचक अनुभव कर सकेंगे। स्टूडेंट्स को ऑन बोर्ड आने, गेम्स खेलने और करियर की संभावनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए एक विशेष ब्रांडेड कैंटर तैयार किया गया है। 5 सितंबर को अपनी यात्रा शुरू करते हुए इस कैंटर ने जालंधर, चंडीगढ़, जयपुर, बड़ौदा को कवर किया और 1850 किलोमीटर की सफल यात्रा की। यह प्रोग्राम का पहला चरण था। अब यह कारवां 14 सितंबर को इंदौर पहुँचेगा और कुल मिलाकर 13,810 किलोमीटर की सार्थक यात्रा करेगा। कैंटर, पीसी और सभी स्ट्रीमिंग उपकरण से लैस है। इन्फ्लुएंसर्स न सिर्फ स्टूडेंट्स के साथ सफल करियर के अपने अनुभव साझा करेंगे, बल्कि गेमिंग स्पेस में भविष्य की संभावनाओं के बारे में भी बात करेंगे।

इवेंट एक ओपन क्वेश्चन-आंसर सेशन के साथ संपन्न होगा, जिसके चलते स्टूडेंट्स अपने करियर विकल्पों और गेमिंग में अवसरों के बारे में सवाल कर सकते हैं। यह इवेंट लोकप्रिय और सफल गेमिंग के रूप में उभरकर सामने आएगा। इस दौरान नॉन-गेमिंग इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स, स्टूडेंट्स द्वारा पूछे जाने वाले सवालों के जवाब देने के लिए उपस्थित होंगे। इतना ही नहीं, स्टूडेंट्स को लोकप्रिय और प्रसिद्ध गेमिंग क्रिएटर्स के साथ बातचीत करने का भी अवसर मिलेगा, जिन्होंने फेसबुक गेमिंग पर सफल करियर स्थापित किया है। रॉयलएन गेमिंग आदि इसमें मुख्य रूप से शामिल हैं।

ट्रिनिटी गेमिंग इंडिया पहले से ही 4 करोड़ गेमर्स कम्युनिटी के साथ काम करता है, और अब इस पहल के साथ नई प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करेगा। ट्रिनिटी गेमिंग इंडिया का उद्देश्य गेमिंग कॉन्टेंट क्रिएशन में एक सफल और सार्थक करियर स्थापित करने में भारतीय युवाओं का समर्थन करना है। 'नेक्स्ट लेवल' प्रोग्राम को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि गेमिंग एंथुज़ियास्ट्स और यहाँ तक कि बिगिनर्स आय अर्जित करने के लिए सही स्किल सेट और मार्केट विजिबिलिटी हासिल कर सकें। भारतीय गेमिंग क्षेत्र में शामिल होने के लिए स्टूडेंट्स को 'नेक्स्ट लेवल' के साथ ऑनबोर्ड होने के बाद फॉर्मल ट्रेनिंग लेना होगी।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने मूल्यवर्धित वित्तीय समाधानों के लिए यूको बैंक के साथ साझेदारी की

देश भर के ग्राहकों से नवोन्मेषी रिटेल फंडिंग विकल्पों की पेशकश के लिए नई साझेदारी

बैंगलोर। आईपीटी नेटवर्क

कंपनी के, 'ग्राहक सबसे पहले' दर्शन को सुदृढ़ करने की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारत के अग्रणी बैंकिंग प्लेटफॉर्म, यूको बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। अधिक से अधिक ग्राहकों को टोयोटा के विश्व स्तरीय उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने के लिए परिकल्पित, इस साझेदारी से ग्राहकों को न केवल टीयर ६ बाजारों, बल्कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्राहकों को लाभ होगा और टियर छ्ब तथा टियर छ्छ बाजारों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। कूल न्यू ग्लैंजा, अर्बन क्रूजर और हाल ही में अनावरण किए गए अर्बन क्रूजर हायरायडर जैसे नए मॉडल लॉन्च के साथ ए एंड बी-सेगमेंट में अपने प्रवेश के माध्यम से, टीकेएम ने टियर छ्ब और छ्छ बाजारों पर विशेष ध्यान देने के साथ पूरे भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित किया है। यह नया गठजोड़ टियर छ्ब और छ्छ बाजारों में स्थित ग्राहकों के लिए मूल्य वर्धित पेशकशों को बढ़ाने के लिए टीकेएम के प्रयासों को मजबूत करेगा। इस प्रकार, भारत में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर द्वारा बेचे जाने वाले वाहनों की पूरी श्रृंखला तक ग्राहकों की आसान पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। टाई-अप पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री. सत्य रंजन पांडा, महाप्रबंधक, मार्केटिंग और वेल्थ मैनेजमेंट विभाग, यूको बैंक ने कहा, 'हम टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के साथ सहयोग करने को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि वे अग्रणी कार निर्माताओं में से एक हैं। इस नई साझेदारी के साथ, हम 3,000 से अधिक शाखाओं के अपने विशाल नेटवर्क के माध्यम से टियर ६, छ्ब और छ्छ शहरों और कस्बों में अपने ग्राहक आधार तक पहुंचने के लिए आश्वस्त हैं ।

यूको बैंक के रिटेल बैंकिंग विभाग के महाप्रबंधक एसके सांखयान ने कहा, 'हमें यकीन है कि इस गठजोड़ के परिणामस्वरूप हमारे मौजूदा ग्राहकों में जो टोयोटा खरीदने का एक त्वरित और निर्बाध खरीदारी अनुभव होगा जो टोयोटा खरीदने की योजना बना रहे हैं। यह यूको बैंक और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बीच ग्राहकों को एक साथ सेवा देने की दिशा में एक रोमांचक चरण की शुरुआत का भी प्रतीक है ।'

नई साझेदारी के बारे में बात करते हुए, श्री अतुल सूद, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग, टीकेएम ने कहा, 'एएंडबी-सेगमेंट में हमारे सफल प्रवेश के बाद, ग्रामीण बाजारों में टोयोटा वाहनों की एक बड़ी मांग है, और हम बढ़ते उछाल को पूरा करने और देश भर में अपने ग्राहकों के बिक्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए दृढ़ हैं। एक ग्राहक केंद्रित कंपनी के रूप में, हमने अपने ग्राहकों को अद्वितीय और आकर्षक वित्तीय योजनाएं और ऑफ़र प्रदान करने के लिए हमेशा नवाचार किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे भारत में टोयोटा वाहनों की हमारी विश्व स्तरीय श्रृंखला तक आसान पहुंच का आनंद लें। यूको बैंक का विस्तृत नेटवर्क और डेटाबेस का उपयोग हमें नए ग्राहकों की पहचान करने में मदद करेगा और हमें उम्मीद है कि हम अपने सम्मानित ग्राहकों के लिए एक साथ सर्वश्रेष्ठ समाधान तैयार करने के लिए अपनी व्यैक्तिक शक्ति का निर्माण करेंगे।

फ्लिपकार्ट ने किया बेहतर ऐप अनुभव के साथ त्योहारों पर खुशी देने का वादा

द बिग बिलियन डेज़ 2022 से पहले लाखों विक्रेताओं, किराना दुकानदारों और एमएसएमई और बेहतरीन ब्रैंड को साथ जोड़ा

बेंगलुरू। आईपीटी नेटवर्क

भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपने सालाना फ्लैगशिप इवेंट – द बिग बिलियन डेज़ के 9वें एडिशन की घोषणा कर दी है। देश में त्योहारों के सीज़न की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार इस वर्ष द बिग बिलियन डेज़ 23 सितंबर से शुरू होगा और 30 सितंबर, 2022 तक चलेगा। इस दौरान त्योहारों को मिलजुलकर मनाने के लिए देश भर के ग्राहक, विक्रेता, एमएसएमई और किराना डिलिवरी पार्टनर्स एक साथ जुटेंगे।

इनोवेशन, व्यापक प्रभाव और सभी को साथ लेकर चलने की भावना को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष द बिग बिलियन डेज़, फ्लिपकार्ट ऐप पर लाइव होने जा रहे आकर्षक ऑफर्स के साथ त्योहारों की खुशियों की शुरुआत करेगा। इसमें 'कूपन रेन' के माध्यम से गेम खेलने का अनुभव भी मिलेगा जिससे ग्राहकों को परिवार और दोस्तों के साथ खेलने का अवसर मिलेगा। साथ ही, इसमें रिवॉर्ड भी शामिल हैं जिनसे त्योहारों का सीज़न और भी खास बन जाएगा। इस वर्ष ग्राहकों को ब्यूटी, जनरल मर्चेंडाइज़, होम, इलेक्ट्रॉनिक्स और लाइफस्टाइल जैसी विभिन्न श्रेणियों में अपने उत्पाद समय से पहले बुक करने का मौका मिलेगा और इसके लिए उन्हें सिर्फ़ 1 रुपये टोकन के तौर पर एडवांस में देने होंगे। वीडियो कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी फ्लिपकार्ट ग्राहकों के मनोरंजन के अनुभव को बेहतर बनाएगा और ये कॉमर्स से जुड़े रिवॉर्ड के साथ आते हैं।

द बिग बिलियन डेज़ 2022 के लॉन्च की घोषणा करते हुए कल्याण कृष्णमूर्ति, सीईओ-फ्लिपकार्ट ग्रुप ने कहा, 'बीते वर्षों के दौरान द बिग बिलियन डेज़ (टीबीबीडी) ऐसा अनुभव बन गया है जिसका ग्राहकों, विक्रेताओं और पूरे ईकोसिस्टम को बहुत ही बेसब्री से इंतज़ार रहता है और हमारी पूरी कोशिश यह रहती है कि इस वर्ष पहले से बड़ा और बेहतर बनाया जाए। देश के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस के तौर पर हमें अपने ग्राहकों के करीब होने और उनकी ज़रूरतों व उम्मीदों को समझने का गर्व है। टीबीबीडी से ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण चीज़ें किफायती कीमतों पर उपलब्ध कराने और पूरे देश में रोज़गार और जीवनयापन के अवसर पैदा करते हुए स्थायी तरीके से अपने परिचालन के माध्यम से अर्थव्यवस्था को गति देने की हमारी प्रतिबद्धता का पता चलता है। विक्रेताओं, एमएसएमई, किराना स्टोर और अन्य पार्टनर्स के बढ़ते ईकोसिस्टम के दम पर हम देश के हर कोने में ग्राहकों की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।'

शाओमी इंडिया ने 'दीवाली विद मी' सेल से पहले तीन नए रेडमी स्मार्टफोन, रेडमी 11 प्राईम 5जी, रेडमी 11 प्राईम, और एक नई रेडमी ए1सीरीज़ प्रस्तुत की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश के नं. 1 स्मार्टफोन ब्रांड, शाओमी इंडिया ने '5जी ऑलराउंडर' - रेडमी 11 प्राईम 5जी और 'प्राईम टाईम ऑलराउंडर' - रेडमी 11प्राईम की घोषणा करके अपनी प्राईम सीरीज़ की विरासत को आगे बढ़ाया है। 5जी इनेबल्ड क्रांति को भारत की सबसे लोकप्रिय रेडमी प्राईम सीरीज़ में उतारते हुए रेडमी 11 प्राईम 5जी ज्यादा तेज कनेक्टिविटी और गति प्रदान करता है। त्योहारों के मौसम को आकर्षक बनाने के लिए शाओमी इंडिया ने रेडमी ए1 का लॉन्च करके एक नई स्मार्टफोन सीरीज़ शुरू की है। फीचर फोंस से स्मार्टफोन की ओर जाने वाले ग्राहकों के लिए रेडमी ए1 अत्यधिक तीव्र इंटरनेट, क्लीन सॉफ्टवेयर अनुभव और नॉनस्टॉप एंटरटेनमेंट लेकर आया है, जिससे उनके दैनिक कामकाज ज्यादा प्रभावशाली और सुविधाजनक बन जाएंगे। रेडमी 11 प्राईम 5जी नए मूल्य वर्ग में सर्वश्रेष्ठ हाई-स्पीड कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जिससे हलचल मच जाएगी। इसमें फ्यूचर-रेडी कनेक्टिविटी के साथ श्रेणी की सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस और अद्वितीय आकर्षक लुक का मिश्रण है, जो ईवीओएल डिज़ाईन लैंग्वेज़ का हिस्सा है। शाओमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अनुज शर्मा ने कहा, ''रेडमी प्राईम सीरीज़ साल 2015 में प्रस्तुत की गई थी और तब से ही यह डिजिटल क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह अपने मूल्यवर्ग में लगातार बेस्टसेलर बनी हुई है। रेडमी 11 प्राईम 5जी हर जनसमूह तक इनोवेशन पहुँचाने के हमारे निरंतर प्रयास का हिस्सा है। यह हमारे ग्राहकों को फ्यूचरप्रूफ 5जी कनेक्टिविटी के साथ उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करेगा। इसका मूल्य भी हर रेडमी उत्पाद की तरह ही किफायती व पारदर्शी होगा।''

अमेज़न की हिंदी में एलेक्सा वॉयस सर्विस लोकप्रिय

हिंदी भाषा में अनुरोधों की संख्या में पिछले वर्ष में 52 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत में ग्राहक संगीत, सूचना, क्रिकेट स्कोर, स्मार्ट होम कंट्रोल, अलार्म/रिमाइंडर सेट करने, और बहुत कुछ के लिए हिंदी और हिंग्लिश में अमेज़न एलेक्सा वॉयस सेवा के साथ एक दिन में लाखों बार बातचीत करते हैं। पिछले एक साल में हिंदी भाषा में एलेक्सा से अनुरोधों की संख्या में 52इ से अधिक की वृद्धि हुई है। एमेज़ॉन ईको डिवाईसेज़ के अलावा ग्राहक एन्ड्रॉयड के लिए एमेज़ॉन शॉपिंग ऐप, फायर टीवी डिवाईसेज़ और एलेक्सा बिल्ट—इन स्पीकर्स, टीवी, स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच, एवं विभिन्न ब्रांड के अन्य उत्पादों पर भी एलेक्सा के साथ संवाद करते हैं। दिलीप आर.एस कंट्री मैनेजर एलेक्सा, अमेज़न इंडिया ने कहा 'आवाज किसी से भी बातचीत करने का सबसे शक्तिशाली, और सरल माध्यम है। हमने हिंदी भाषा के लिए समर्थन जोड़कर और स्थानीय जानकारी, संगीत, बॉलीवुड समाचार, क्रिकेट स्कोर आदि जैसी सामग्री के साथ एलेक्सा वॉयस सेवा को आसान और उपयोगी बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं पिछले तीन वर्षों में हिंदी में एलेक्सा के उपयोग में वृद्धि को देखकर उत्साहित हूं। यह कुछ हमें नया करते रहने और एलेक्सा में स्थानीय रूप से प्रासंगिक जानकारी और सुविधाओं को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।' हिंदी में अधिकतम अनुरोध संगीत, स्मार्ट होम और सूचना के लिए हैं ग्राहक अपने स्मार्ट स्पीकर का अधिकतम लाभ उठा रहे हैं, एलेक्सा को नवीनतम बॉलीवुड गानों से लेकर भक्ति मंत्रों तक, और एलेक्सा के साथ कम्पेटिबल फेस्टिव लाइटिंग को स्वीच ऑन करने से लेकर आगामी त्योहारों की तारीखों और विवरणों के बारे में पूछने के लिए अनुरोध कर रहे हैं। संगीत, स्मार्ट होम और जानकारी सबसे लोकप्रिय प्रकार के प्रश्न हैं जो लोग एलेक्सा से हिंदी में पूछते हैं। उदाहरण 'एलेक्सा, गाना बजाओ', 'एलेक्सा लाइट जलाओ', और 'एलेक्सा आज कौन सा त्योहार है?' एलेक्सा के हिंदी फीचर ग्राहकों का मनोरंजन करते रहते हैं हिंदी में एलेक्सा उपलब्ध होने और वॉईस कमांड आसान होने के कारण ग्राहक प्रतिदिन हिंदी में लाखों निवेदन कर रहे हैं और हिंदी में विस्तृत कंटेंट, जैसे चुटकुले, शायरी, कबीर के दोहे, पंचतंत्र की कहानियों, रामायण कथा, बॉलिवुड के डायलॉग, आदि के बारे में पूछ रहे हैं। इनमे एलेक्सा ओरिजिनल, भारत के चार स्वतंत्र कलाकारों द्वारा ताजा गीतों का एक विशेष चयन, और - एलेक्सा पर श्री अमिताभ बच्चन की आनंदमय आवाज भी शामिल हैं । एलेक्सा के व्यक्तित्व से ग्राहक प्रभावित हैं

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।